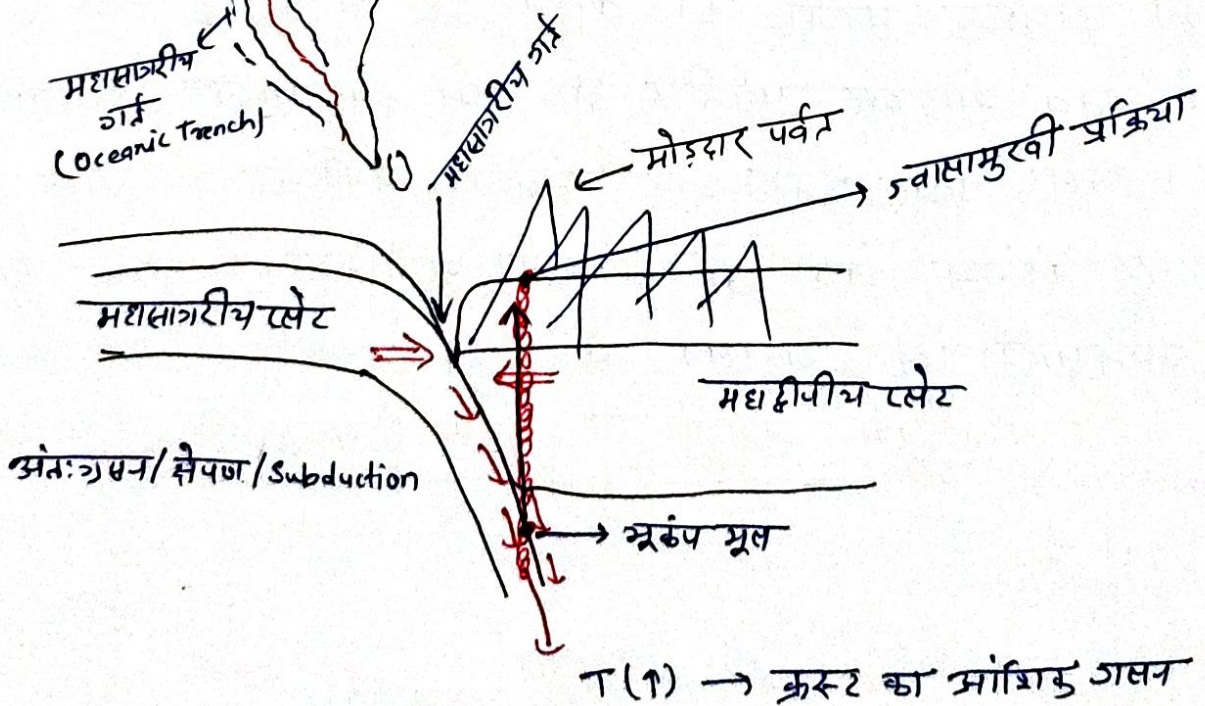
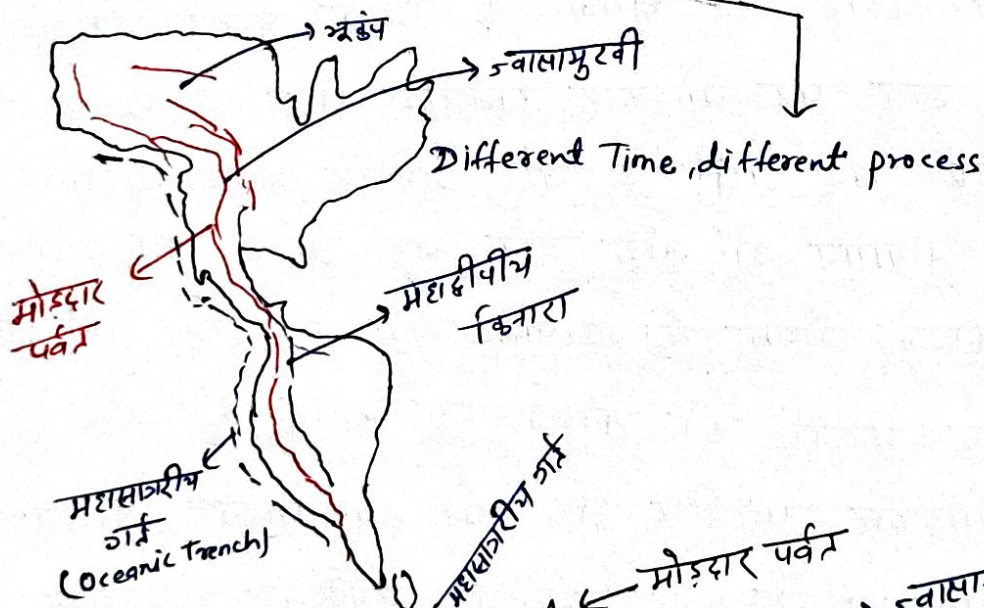
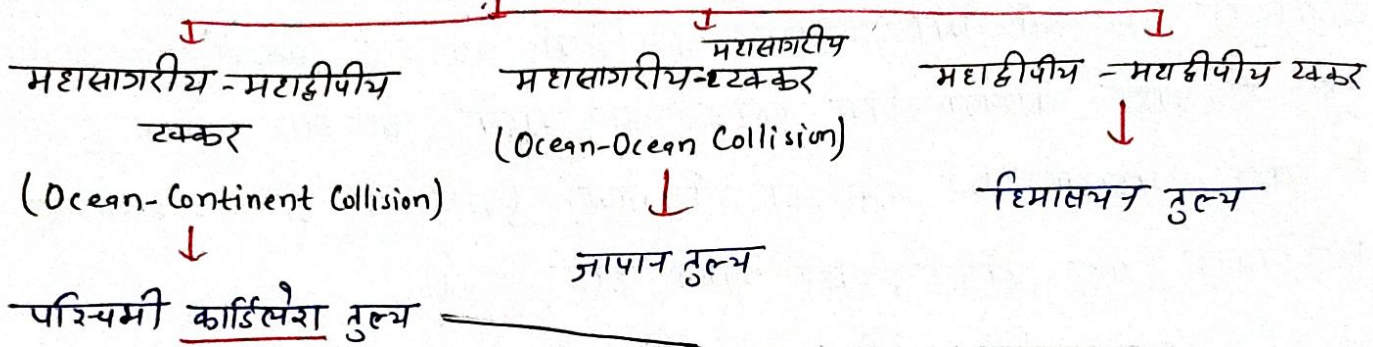


# अभििसारी प्लेट सीमाएं



## महासागरीय-महाद्वीपीय टक्कर

→ मैग्मा की उत्पत्ति

→ अभििसारी प्लेट सीमाएं पर प्लेटों के टक्कर के बाद मजबूत धनत्व और गतिशील वाली महासागरीय प्लेट का सैपण होने के कारण मैग्मा प्लेट की क्रस्ट का आंशिक गमन होता है इसलिए ही

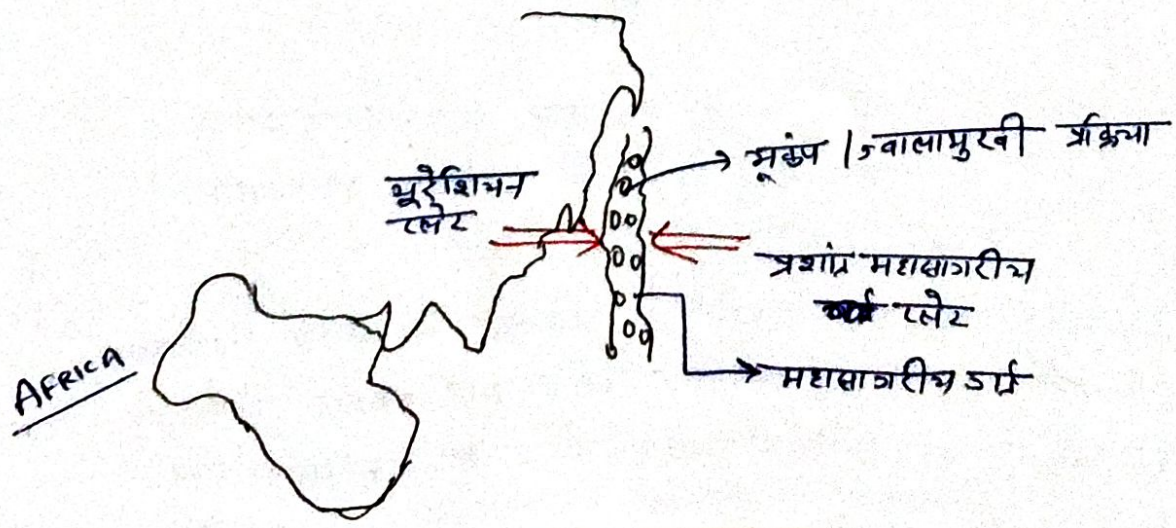


महासागर लैट सीमाओं को विनाशात्मक सीमाओं भी कहते हैं।

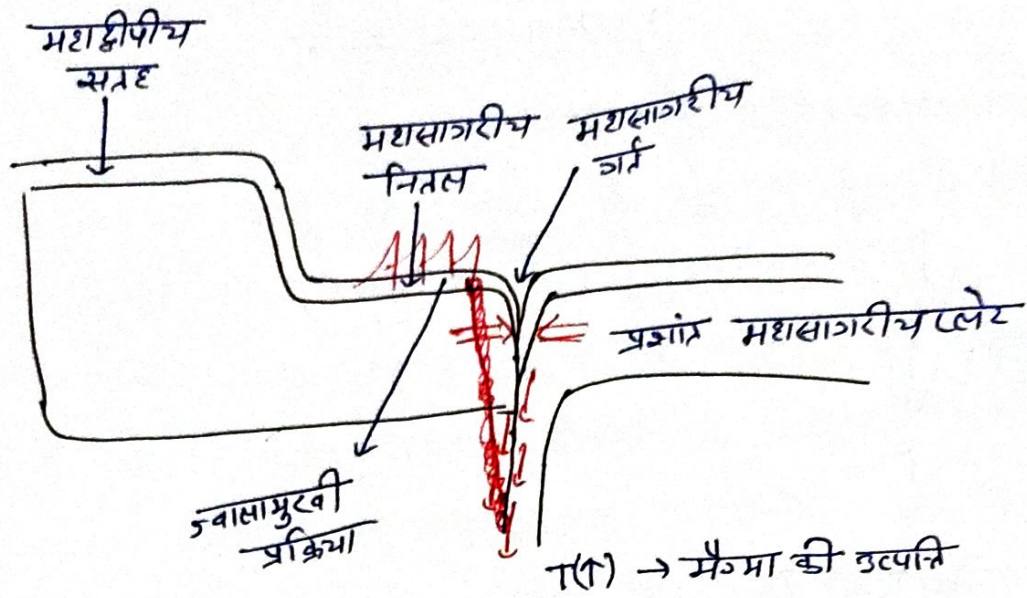
उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका के पश्चिमी कॉर्डिलेरा का संबंध महासागरीय - महाद्वीपीय अभिसारी लैट सीमाओं से है। इस लैट सीमाओं पर लैटों के टकर के कारण उत्पन्न संक्षिप्त बल के द्वारा होनेवाले बलन की प्रक्रिया से उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका के पश्चिमी तटीय क्षेत्र में मोड़दार पर्वतों की उत्पत्ति हुई है। जहां महासागरीय लैट का मुड़ने के बाद क्षेपण हुआ है वहां महासागरीय गर्त का निर्माण हुआ है जो महासागर के निम्न पर संबद्ध बाएँ भाग होते हैं।

महासागरीय लैट का क्षेपण के कारण पृथ्वी की आंतरिक परतों में अंशान होने पर मोड़दार पर्वतीय क्षेत्र में भूकंप आने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं वहीं अल्पितु गहराई में क्षेपित लैट की तापमान में वृद्धि होने पर क्रस्ट का आंशिक गलन होने के कारण मैग्मा की उत्पत्ति होती है। जब यही मैग्मा पृथ्वी की आंतरिक परतों को तोड़ते हुए सतह की ओर आते हैं तब मोड़दार पर्वतीय क्षेत्र में ज्वालामुखी सक्रिय होती है। इस प्रकार उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका के पश्चिम के मोड़दार पर्वतीय क्षेत्र में होनेवाली भूभौतिकी घटनाओं का संबंध अभिसारी लैट संयोजन से है।

महासागरीय - महासागरीय अभिसारी लैट सीमाओं







→ प्रशांत महासागर के पश्चिमी भाग में जहां यूरेशियन और प्रशांत महासागरीय प्लेट का अभिसरण के बाद च टक्कर हुआ है वहां महासागरीय प्लेट सीमांत होने के कारण मोड़दार पर्वतों की उत्पत्ति नहीं हुई है लेकिन अभिसारी प्लेट सीमांत पर महाद्वीपीय तट से दूर खुले महासागर में महासागरीय जर्त का निर्माण हुआ है।

अम्पिकु जति वाली प्रशांत महासागरीय प्लेट का यूरेशियन प्लेट के नीचे झेपण होने के कारण ही महासागर के निसल पर भूकंप की उत्पत्ति के साथ ज्वालामुखी प्रक्रिया होने की संभावनाएं बनी रहती हैं। यहां होनेवाली ज्वालामुखी प्रक्रिया के कारण ही जापान, फिलिपिन्स और इंडोनेशियाई द्वीप समूह की उत्पत्ति हुई है।